

सफलता के पड़ाव को जानें!

संस्थापक
स्व. अतुल माहेश्वरी

समूह सलाहकार
यशवंत व्यास

संपादक
सुदीप ठाकुर

सहायक संपादक
महेश पारीक

संपादन सहयोग
अभिषेक सक्सेना

कला
सत्येन्दु मिश्रा
अमित कुमार

अमर उजाला समूह का प्रकाशन

अमर उजाला
पब्लिकेशन्स लिमिटेड के
लिए प्रकाशक एवं मुद्रक
वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा
सी-21, सेक्टर 59,
गौतमबुद्ध नगर,
नोएडा-201301
से मुद्रित एवं प्रकाशित।

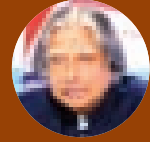
संपादक
सुदीप ठाकुर

RNI No.
UPHIN/2012/49775

प्रतियोगी परीक्षा के विद्यार्थियों के लिए उनकी तैयारी और सफलता के बीच में पड़ने वाले पड़ावों की पड़ताल बहुत जरूरी होती है। कुछ चीजें जैसे कि समयबद्धता, अनुशासन, एकाग्रता और निष्ठापूर्वक तैयारी करने जैसी बुनियादी बातें सभी को पता होती हैं और होनी भी चाहिए, क्योंकि इनके अभाव में सफलता कतई नहीं पाई जा सकती। लेकिन, कुछ और भी है जिसे जितना शीघ्र समझा जाए सफलता भी उतने ही कम समय में मिलती है। जैसे परीक्षा के प्रारूप में होने वाले बदलाव, करेंट अफेयर्स की जानकारियों से सदैव युक्त होना, आगामी परीक्षाओं की तिथि का ध्यान रखना, तैयारी को लेकर विशेषज्ञों के सुझाव आदि। इन्हीं सभी महत्वपूर्ण कारकों को ध्यान में रखकर सफलता सामयिकी का अंक पाठकों के बीच उपलब्ध होता है। छात्रों तक करेंट अफेयर्स से जुड़ी अतिमहत्वपूर्ण जानकारियों को सविस्तार पहुंचाने के लिए पत्रिका के इस अंक में 'नोबेल पुरस्कार 2017', '14वीं भारत यूरोपीय संघ शिखर बैठक', 'राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की पहली विदेश यात्रा संपन्न', और 'वैश्विक भूख सूचकांक 2017' शिर्षक से चार आलेख शामिल किए गए हैं। आगामी महीने में होने वाली आईबीपीएस क्लर्क प्री परीक्षा को ध्यान में रखकर इसका मॉडल पेपर दिया जा रहा है। इसी तरह नवंबर माह में आयोजित होने जा रही एसएससी सीजीएल टीयर-2 परीक्षा के अंग्रेजी प्रश्न पत्र का मॉडल पेपर दिया जा रहा है। इन



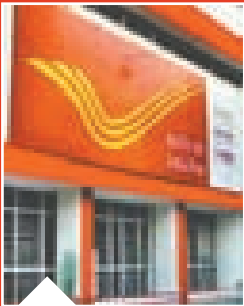
मॉडल पेपरों की सहायता से अभ्यर्थी अपने संबंधित परीक्षा पैटर्न को समझने के साथ ही अब तक की तैयारी का जायजा भी ले सकते हैं। सामान्य अध्ययन में जानकारी को मजबूती देने के लिए इतिहास विषय से 'जनपद काल एवं मगध साम्राज्य' के बारे में परीक्षोपयोगी जानकारियों को प्रस्तुत किया गया है। हल पेपर के खंड में इस बार उत्तर प्रदेश पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2017 के पेपर का हल दिया गया है। साथ ही करेंट अफेयर्स पर फोकस कर तैयार बहुविकल्पीय प्रश्नों को भी जगह दी गई है। देश, दुनिया, आर्थिकी, खेल, नियुक्ति और निधन की तमाम महत्वपूर्ण जानकारियों को परीक्षोपयोगी तरीके से तैयार कर निर्धारित कॉलम में दिया गया है।



खेल 37.



राष्ट्रीय 17. अंतरराष्ट्रीय 22.



आर्थिकी 31. सम्मान 43.



अनुक्रमणिका

माह की प्रमुख घटनाएं	04
नोबेल पुरस्कार 2017	07
14वीं भारत यूरोपीय संघ शिखर बैठक	10
राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की विदेश यात्रा	14
वैश्विक भूख सूचकांक 2017	16
राष्ट्रीय	17
अंतरराष्ट्रीय	22
विश्व संबंध	27
आर्थिकी	31
खेल	37
सम्मान	43
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	47
प्राचीन इतिहास	49
अंग्रेजी ज्ञान	54
UPPCS रणनीति व मॉडल पेपर	56
हल पेपर	75
प्रश्न मंथन	95



विश्व संबंध 27.



हौसलों को पंख मिल जाएं तो हर मंजिल आसान

आप योग्यता साबित करें, सम्पन मुहैया करवाएगा ए पी गोपाल शिमला यूनिवर्सिटी।
 छात्रवृत्ति परीक्षा में शामिल हों और आगे बढ़ें।

10+2 छात्र - 1st टॉप छात्रों को ₹ 1st टॉप छात्रों को 4 लाख की पूरी चतुस्तरीय बीस की छात्रवृत्ति। (सर्वाे को अपने-के-किसी-के-अनुसार में दरियाज ले।)

12th छात्र - 3rd टॉप छात्रों को 2nd टॉप छात्रों/यों को 10+1 एवं 10+2 की पूरी चतुस्तरीय बीस की छात्रवृत्ति।

10+2 छात्रों के लिए प्रथम को ₹2,00,000/- की छात्रवृत्ति

द्वितीय को ₹50,000/- की छात्रवृत्ति

सम्पन परीक्षा के बाद में छात्र को अपने-के-अनुसार में छात्रों के नाम में छात्रवृत्ति काट कर दे दिया जाय।

संशुद्धित मूल्य
₹50/-
 मात्र

आवेदन की अंतिम तिथि : 25 नवंबर, 2017 परीक्षा की तिथि : 17 दिसंबर, 2017 ऑफिस छात्रवृत्ति में लिए सभी की जानकारी

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-9805502114, 7018989030, 9736020063



माह की प्रमुख घटनाएं

18 सितंबर

- तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष पी. धनपाल ने अन्नाद्रमुक के बागी 18 विधायकों को दलबदल नियम के तहत अयोग्य घोषित कर दिया।
- चीन ने तिब्बत से होकर नेपाल सीमा तक जाने वाला शिगेज हवाईअड्डे और शिगेज शहर के बीच 40.4 किलोमीटर लंबा राजमार्ग नागरिकों के इस्तेमाल के लिए खोल दिया।

19 सितंबर

- रोहिंग्या शरणार्थियों को देश में प्रवेश से रोकने के लिए मिजोरम में बांग्लादेश और म्यांमार से लगती सीमाएं सील की गईं।
- जन्म से ईसाई एवं दिग्गज गायक केजे येसुदास को केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित श्री पद्मनाभ स्वामी मंदिर में प्रवेश करने और पूजा-अर्चना करने की इजाजत मिली।

20 सितंबर

- मैक्सिको में आए 7.1 तीव्रता की भीषण भूकंप में 225 से अधिक लोगों की मौत हो गई। भूकंप का केंद्र प्यूब्ला शहर था।
- संयुक्त राष्ट्र लीडरशिप समिट ऑन इनवॉयरन्मेंट पैक्ट के दौरान विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने कहा कि भारत ऐतिहासिक पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है।

21 सितंबर

- बॉलीवुड में 50-60 के दशक में लोगों के दिलों पर राज करने वाली फिल्म अभिनेत्री शकीला का 82 वर्ष की उम्र में मुंबई में निधन हो गया।
- भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किए गए ओडिशा हाईकोर्ट के रिटायर जज आईएम कुदूसी के लखनऊ और फैजाबाद स्थित आवास पर सीबीआई ने छापेमारी की।

22 सितंबर

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सभी राज्य सरकारों गोरक्षकों की कथित हिंसा के शिकार लोगों को मुआवजा देने के लिए बाध्य हैं।
- फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) चयन समिति ने राजकुमार राव द्वारा अभिनीत फिल्म "न्यूटन" को वर्ष 2018 में ऑस्कर के लिए भारत की ओर से नामित किया।

23 सितंबर

- पाकिस्तान की नौसेना ने अरब सागर में हवा से जमीन पर मार करने वाली एक एंटी शिप मिसाइल का परीक्षण किया।

24 सितंबर

- सिंगापुर में भारतीय मूल के एक 32 वर्षीय बॉडी बिल्डर प्रदीप सुब्रह्मण्यम का थाई क्रिक-बॉक्सिंग मैच के बाद दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

25 सितंबर

- जर्मनी में संपन्न हुए आम चुनाव में चांसलर एंजेला मर्केल चौथी बार चुनाव जीतने में सफल रहीं। मर्केल को 32.9 फीसदी वोट मिले।
- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आठ देशों के नागरिकों पर यात्रा प्रतिबंध लागू करने का नया आदेश (18 अक्टूबर से प्रभावी) जारी किया। जिन देशों पर यह लागू होगा, उनमें ईरान, लीबिया, सोमालिया, सीरिया, यमन, उत्तर कोरिया, वेनेजुएला और चाड शामिल हैं।

26 सितंबर

- केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उनके मंत्रालय ने लापता हुए बच्चों की तलाश के लिए विशेष पहल ऑपरेशन स्माइल शुरू किया है। इसकी मदद से अबतक लापता 70,000 बच्चों को बचाया गया है।

27 सितंबर

- बीबीसी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज को भारत में सबसे प्रभावशाली महिलाओं में से एक चुना।

28 सितंबर

- तहलका पत्रिका के संस्थापक और वरिष्ठ पत्रकार तरुण तेजपाल पर गोवा की एक अदालत ने सहकर्मियों से दुष्कर्म के मामले में आरोप तय किए।
- वैश्विक सलाहकार फर्म केपजेमिनी द्वारा जारी एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में करोड़पतियों की संख्या बढ़कर 1.65 करोड़ पहुंच गई है, जो पिछले साल के मुकाबले आठ फीसदी अधिक है।

29 सितंबर

- मुंबई के एलफिस्टन रेलवे स्टेशन के फुटओवर ब्रिज पर मची भगदड़ में 22 लोगों की मौत हो गई और 35 लोग घायल हो गए।
- स्वास्थ्य मंत्रालय ने नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) बुलेटिन के हवाले से बताया कि वर्ष 2016 में देश में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) में 8 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

30 सितंबर

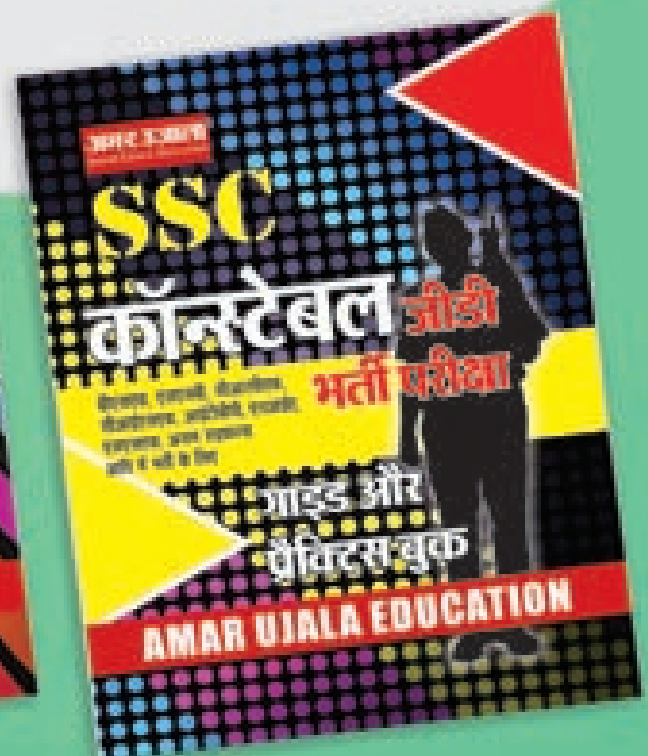
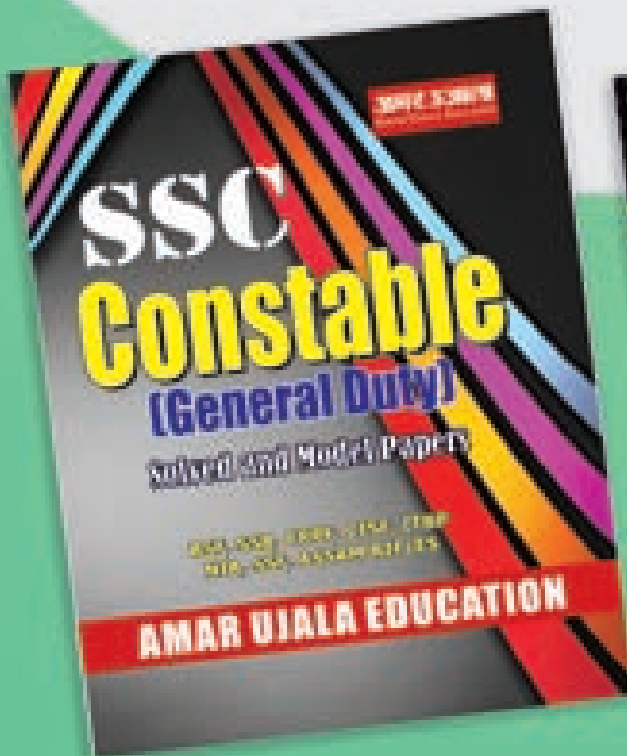
- रंगमंच, टेलीविजन और फिल्म से जुड़े अभिनेता और पद्मश्री सम्मान से सम्मानित टॉम ऑल्टर का 67 वर्ष की उम्र में मुंबई में निधन हो गया। मसूरी में जन्मे टॉम त्वचा कैंसर से पीड़ित थे।
- पंजाब पुलिस ने प्रतिबंधित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के सात संदिग्ध आतंकियों को लुधियाना से गिरफ्तार किया।

1 अक्टूबर

- नागपुर में भारत और आस्ट्रेलिया के बीच खेले गए पांच एक दिवसीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला के अंतिम मैच में भारत ने आस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराकर सीरीज 4-1 से अपने नाम कर लिया।

SSC GD

में स्वर्णिम भविष्य बनाने के लिए पढ़ें ...



अमर उजाला एजुकेशन, Flipkart एवं Safalta.com पर भी उपलब्ध। यह किताब ऑर्डर करने के लिए 0120-4733550 पर सुबह 10:30 से रात 8:00 बजे तक (शनिवार से बर्हिवार) संपर्क करें।

तारीख दर तारीख

सितंबर-अक्टूबर 2017

■ राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने महाराष्ट्र के शिरडी में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया और शिरडी से मुंबई के लिए पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाई।

2 अक्टूबर

■ मानव शरीर की आंतरिक जैविक घड़ी विषय पर किए गए उल्लेखनीय काम के लिए अमेरिका के तीन विज्ञानियों जेफ्री सी हाल, माइकल रोसबाश और माइकल डब्ल्यू यूंग को चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया।

3 अक्टूबर

■ म्यांमार की नेता आंग सान सू की को म्यांमार में रोहिंग्या मुसलमानों की दुर्दशा पर उनके द्वारा कथित समुचित कदम नहीं उठाने पर सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड ने उन्हें दिया गया फ्रीडम ऑफ ऑक्सफोर्ड सम्मान वापस ले लिया।

■ अमेरिकी खगोल वैज्ञानिक बैरी बैरिश, किप थोर्न और रेनर वेस को गुरुत्व तरंगों की खोज के लिए इस साल के भौतिक विज्ञान का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

4 अक्टूबर

■ भारत ने बांग्लादेश के साथ 4.5 अरब डॉलर की ऋण सुविधा (एलओसी) के लिए करार पर दस्तखत किए। बांग्लादेश इस कर्ज का इस्तेमाल अपने बुनियादी ढांचे और सामाजिक क्षेत्र के विकास पर करेगा।

■ अणुओं के अध्ययन की सरल विधि खोजने के लिए तीन वैज्ञानिकों जैक डुबोशे, जोकिम फ्रैंक और रिचर्ड हेंडरसन को संयुक्त रूप से 2017 का रसायन शास्त्र का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

5 अक्टूबर

■ जापानी मूल के ब्रिटिश लेखक काजुओ इशिगुरो को इस साल साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिए जाने के लिए चुना गया।

6 अक्टूबर

■ नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप का शुभारंभ किया। फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप में 24 देशों की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

■ परमाणु हथियारों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अभियान चलाने के लिए आईसीएएन (इंटरनेशनल कैंपेन टु एबोलिश न्यूक्लियर वेपन्स) को शांति के नोबेल पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई।

7 अक्टूबर

■ वरिष्ठ फिल्म निर्देशक कुंदन शाह का 69 वर्ष की उम्र में मुंबई में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। शाह ने 'जाने भी दो यारो' और 'कभी हां कभी ना' जैसी चर्चित फिल्मों का निर्देशन किया था।

■ रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने चीन-भारत सीमा पर डोका ला-नाथुला क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया।

8 अक्टूबर

■ फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन के ट्विटर पर प्रशंसकों की संख्या बढ़कर 3 करोड़ हुई। अमिताभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पीछे हैं। मोदी के 3.5 करोड़ प्रशंसक हैं।

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने गुजरात दौरे के दौरान भरूच में भादभूत बांध

परियोजना का शिलान्यास किया। यह परियोजना 4,337 करोड़ रुपये में तैयार होगी।

9 अक्टूबर

■ सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में दिवाली पर पटाखों की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी, जो 31 अक्टूबर तक जारी रहेगी।

■ मनोवैज्ञानिक अर्थशास्त्र के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियों के लिए रिचर्ड एस. थेलर को इस वर्ष अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

10 अक्टूबर

■ हरियाणा के सोनीपत में 1996 में हुए बम धमाकों के मामले में सोनीपत की एक स्थानीय अदालत ने आतंकी अब्दुल करीम टुंडा को उम्रकैद की सजा सुनाई। 28 दिसंबर, 1996 को शहर में दो जगहों पर बम धमाके हुए थे।

■ अमेरिका के न्यूजर्सी में हुई मिस इंडिया वर्ल्डवाइड प्रतियोगिता में भारतीय मूल की मधु वल्ली ने मिस इंडिया वर्ल्डवाइड 2017 का ताज अपने नाम किया।

11 अक्टूबर

■ सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक ऐतिहासिक फैसले में व्यवस्था दी कि 18 वर्ष से कम उम्र की पत्नी के साथ शारीरिक संबंध बनाना दुष्कर्म समझा जाएगा। इसलिए यह अपराध है।

12 अक्टूबर

■ चुनाव आयोग ने हिमाचल प्रदेश में 9 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान कराये जाने से संबंधित कार्यक्रम घोषित किया। मतगणना 18 दिसंबर को होगी।

■ अमेरिका और इजरायल ने यूनेस्को से बाहर होने की घोषणा की। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र की इस सांस्कृतिक संस्था पर इजरायल विरोधी रुख अपनाने का आरोप लगाया है।

13 अक्टूबर

■ सुप्रीम कोर्ट ने ब्लू व्हेल जैसे खतरनाक और जानलेवा वर्चुअल गेम पर रोक लगाने के संबंध में केंद्र सरकार से कहा कि वह फायरवाल (गेम पर रोक लगाने की डिवाइस) बनाने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति का गठन करे।

14 अक्टूबर

■ जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-ताईबा के दो आतंकी को मार गिराया। मारे गए एक आतंकी वसीम शाह के जिंदा अथवा मुर्दा पकड़े जाने पर 10 लाख का ईनाम था।

15 अक्टूबर

■ ढाका में एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में भारत ने पाकिस्तान को 3-1 से हरा दिया। भारत टूर्नामेंट में अपनी लगातार तीसरी जीत के साथ नौ अंक लेकर ग्रुप ए से सुपर फोर में पहुंच गया है।

16 अक्टूबर

■ रक्षा मंत्री निर्मला सीतारामन ने विशाखापल्लतनम की नौसेना गोदी में देश में ही निर्मित पनडुब्बी रोधी युद्धक जलपोत आई.एन.एस. किल्टान का जलावतरण किया। इसे पूरे तौर पर देश में ही बनाया गया है।

—कृष्ण कुमार सिंह

वर्ष 2017 के लिए सभी श्रेणियों के नोबेल पुरस्कार की घोषणा कर दी गई है। नोबेल पुरस्कार प्रतिवर्ष भौतिकी, रसायन, चिकित्सा, साहित्य, शांति और अर्थशास्त्र के क्षेत्र में दिया जाता है। इस वर्ष के नोबेल विजेताओं का विवरण निम्न प्रकार से है...



नोबेल पुरस्कार 2017

अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार

नोबेल पुरस्कार 2017 के तहत 9 अक्टूबर, 2017 को अर्थशास्त्र के नोबेल की घोषणा कर दी गई। इस बार यह पुरस्कार अमेरिकी अर्थशास्त्री रिचर्ड एच थेलर को दिया गया है। उन्हें यह पुरस्कार बिहेवियरल इकोनॉमिक्स में उनके योगदान के लिए दिया गया है।



रिचर्ड एच थेलर
शिकागो अर्थशास्त्र के प्रोफेसर

■ थेलर का अध्ययन बताता है कि किस प्रकार सीमित तर्कसंगतता, सामाजिक वरीयता और स्व-नियंत्रण की कमी जैसे मानवीय लक्षण किसी व्यक्ति के निर्णय को प्रक्रियागत तौर पर प्रभावित करते हैं और इससे बाजार के लक्षण पर भी प्रभाव पड़ता है।

■ थेलर शिकागो विश्वविद्यालय में बिहेवियरल साइंस और अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं। न्यू जर्सी में जन्मे थालर ने 1987 में केस वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी से बैचलर की डिग्री मिली।

■ भारतीय मूल के अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन को 1998 में अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिया गया था। वे अपनी पुस्तक द आरग्युमेंटेटिव इंडियन के लिए काफी चर्चित रहे।

शांति का नोबेल पुरस्कार

नार्वेजियन नोबेल समिति ने 6 अक्टूबर, 2017 को वर्ष 2017 का शांति का नोबेल पुरस्कार 'इंटरनेशनल कैम्पेन टू एबोलिश न्यूक्लियर वीपन्स' (International Campaign to Abolish Nuclear Weapons: ICAN) को प्रदान किए जाने की घोषणा की।

■ इस संगठन को यह पुरस्कार परमाणु हथियारों के किसी भी तरह से प्रयोग के माध्यम से विनाशकारी



इंटरनेशनल कैम्पेन टू एबोलिश
न्यूक्लियर वीपन्स

मानवतावादी परिणामों पर ध्यान आकर्षित करने और ऐसे हथियारों को संधि आधारित प्रतिबंधों के माध्यम से समाप्त करने के प्रयासों के लिया दिया जाएगा।

■ संपूर्ण विश्व से परमाणु हथियारों को समाप्त करने के लिए अभियान चलाने वाले इस संगठन की स्थापना वर्ष 2007 में की गई थी। इस संगठन का मुख्यालय जेनेवा, स्विट्जरलैंड में है। आईसीसीएन विश्वभर में लगभग 100 विभिन्न देशों के गैर-सरकारी संगठनों का गठबंधन है।

■ गौरतलब है कि 7 जुलाई, 2017 को संयुक्त राष्ट्र के 122 सदस्य देशों ने परमाणु हथियारों के

निषेध पर संधि को स्वीकार किया।

■ वर्ष 2016 का शांति का नोबेल पुरस्कार कोलंबिया के राष्ट्रपति जुआन मैनुएल सांतोस को प्रदान किया गया था।

■ वर्ष 2014 में कैलाश सत्यार्थी को पाकिस्तान की नारी शिक्षा कार्यकर्ता मलाला युसुफजई के साथ संयुक्त रूप से नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था।

■ 19 दिसंबर, 1979 को मद्र टेरेसा को मानव-कल्याण कार्यों के हेतु शांति का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया।

■ भारतीय पर्यावरणविद राजेंद्र कुमार पचौरी की अध्यक्षता वाले आईपीसीसी (इंटरगवर्नमेंटल पैनेल ऑन क्लाइमेट चेंज) को 2007 का नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार आईपीसीसी को अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति अल गोर के साथ संयुक्त रूप से मिला।

साहित्य का नोबेल पुरस्कार

वर्ष 2017 का साहित्य का नोबेल पुरस्कार 5 अक्टूबर, 2017 को जापानी मूल के ब्रिटिश लेखक काजुओ इशिगुरो (Kazuo Ishiguro) को प्रदान किए जाने की घोषणा की गई।

■ स्वीडिश एकेडमी ने उनके उपन्यासों 'द रिमेंस ऑफ द डे' और 'नेवर लेट मी गो' की प्रशंसा करते हुए कहा कि उपन्यासकार ने अपने भावनात्मकता से ओत-प्रोत उपन्यासों द्वारा दुनिया के साथ हमारे भ्रामक भावनाओं का निरावरण किया है।

■ काजुओ इशिगुरो का जन्म 8 नवंबर, 1954 को नागासाकी जापान में हुआ था। जब वे पांच वर्ष के हुए तो उनका परिवार ब्रिटेन आ गया।

■ वर्ष 1982 में इनका पहला उपन्यास ए पेल व्यू ऑफ हिल्स प्रकाशित हुआ।

■ एक पूर्णकालिक लेखक के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने बहुत सारा साहित्यिक सृजन किया जिसमें द रिमेंस ऑफ द डे (1989) विशेष उल्लेखनीय है। इसके लिए इन्हें वर्ष 1989 में

नोबेल पुरस्कार

नोबेल पुरस्कार डायनामाइट के स्वीडिश आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल की याद में दिए जाते हैं। प्रथम नोबेल पुरस्कार वर्ष 1901 में दिए गए थे।

■ नोबेल पुरस्कार समारोह प्रति वर्ष 10 दिसंबर को अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि पर आयोजित किया जाता है। 1896 में इसी दिन उनकी मृत्यु हुई थी।

■ अल्फ्रेड नोबेल ने मरने से पहले अपनी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा एक ट्रस्ट के लिए रख दिया था। यह राशि स्वीडिश बैंक में जमा है और इन्हीं के ब्याज से हर साल नोबेल पुरस्कार दिया जाता है।

■ 1903 में मेरी क्यूरी को उनके पति पियरे क्यूरी के साथ रेडियोएक्टिविटी की खोज के लिए भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला। मेरी क्यूरी को 1911 में उन्हें रसायन विज्ञान के क्षेत्र में रेडियम के शुद्धीकरण (आइसोलेशन ऑफ प्योर रेडियम) के लिए रसायनशास्त्र का नोबेल पुरस्कार भी मिला। विज्ञान की दो शाखाओं में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने वाली वह पहली वैज्ञानिक हैं। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली भी वह पहली महिला हैं। इस वैज्ञानिक मां की दोनों बेटियों ने भी नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया। बड़ी बेटी आइरीन को 1935 में रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ तो छोटी बेटी ईव को 1965 में शांति के लिए नोबेल पुरस्कार मिला।

■ नोबेल पुरस्कार विजेताओं को स्टॉकहोम, स्वीडन में सम्मानित किया जाता है। केवल नोबेल शांति पुरस्कार विजेता को ओस्लो, नॉर्वे में सम्मानित किया जाता है।

■ आरंभ में नोबेल पुरस्कार पांच क्षेत्रों, अर्थात् भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा, शांति और साहित्य के लिए दिए गए थे।

■ आर्थिक विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार 1969 में स्थापित किया गया जिसके पहले प्राप्तकर्ता रैगनार फ्रिस्च और जन टिनबेर्गेन थे। अब तक केवल दो व्यक्ति हैं जिन्हें नोबेल और ऑस्कर दोनों प्राप्त हुए हैं। जॉर्ज बर्नार्ड शॉ को 1925 में साहित्य का नोबेल और 82 साल की उम्र में 1938 में ऑस्कर प्रदान किया गया। बॉबी डिलन को वर्ष 2000 में ऑस्कर और 2016 में साहित्य का नोबेल मिला।



काजुओ इशिगुरो
जापानी मूल के ब्रिटिश लेखक

बुकर पुरस्कार प्रदान किया गया।

■ द रिमेन्स ऑफ द डे उपन्यास पर फिल्म का निर्माण भी हुआ जिसमें एंथनी हॉपकिंस ने अभिनय किया।

■ वर्ष 2005 में इन्होंने नेवर लेट मी गो नामक कल्पित विज्ञान कथा (उपन्यास) का लेखन किया जिसे मैन बुकर पुरस्कार के लिये नामित किया गया।

■ वर्ष 2015 में इनकी काल्पनिक कथा श्रेणी का उपन्यास द बरीड जायंट का प्रकाशन हुआ।

■ वर्ष 2009 में द टाइम्स समाचार पत्र ने इन्हें 1945 के बाद से ब्रिटेन के 50 महान लेखकों में सम्मिलित किया।

■ रविंद्रनाथ टैगोर को उनकी काव्यरचना गीतांजलि के लिए सन् 1913 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला था। टैगोर भारत के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता थे। वे यह पुरस्कार पाने वाले पहले गैर-यूरोपीय व्यक्ति थे।

रसायन का नोबेल पुरस्कार

द रॉयल स्वीडिश एकेडमी ने 4 अक्टूबर, 2017 को रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा की। इस वर्ष जैक्स ड्यूबचित, जोएचिम फ्रैंक और रिचर्ड हेंडरसन को यह पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की।

■ तीनों वैज्ञानिकों को बायोमॉलिक्यूलस के सॉल्यूशन के उच्च संकल्प संरचना के निर्धारण के लिए क्रायो इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी विकसित करने के लिए सम्मानित किया जाएगा।

■ जैक्स ड्यूबचित स्विजरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ लूसियाना में कार्यरत हैं।

■ फ्रैंक न्यूयार्क के कोलंबिया यूनिवर्सिटी में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वहीं रिचर्ड हेंडरसन केंब्रिज की एमआरसी लैबोरेटरी ऑफ मॉलिक्यूलर बायोलोजी में सेवारत हैं।

■ यह माइक्रोस्कोप किसी तरल में बायोमॉलिक्यूल



इस वर्ष जैक्स ड्यूबचित, जोएचिम फ्रैंक और रिचर्ड हेंडरसन को रसायन का नोबेल पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की।

की हाई रिजॉल्यूशन संरचना दिखा सकती है। क्रायो इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी बायोमॉलिक्यूल की ज्यादा बेहतर तस्वीरें हासिल कर सकता है। शोधकर्ता अब बायोमॉलिक्यूल की त्रिआयामी तस्वीरें हासिल कर सकते हैं।

■ लंबे समय तक माना जाता था कि इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप केवल मृत चीजों की तस्वीर लेने के लिए ही कारगर है क्योंकि इसकी ताकतवर इलेक्ट्रॉन किरणें जैविक पदार्थों को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

■ 1990 में रिजर्ड हेंडरसन ने इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप का इस्तेमाल कर एक प्रोटीन का एटोमिक रिजॉल्यूशन पर त्रिआयामी चित्र तैयार करने में कामयाबी पाई। यही सफलता इस तकनीक की सबसे बड़ी ताकत रही है।

■ योआखिम फ्रैंक ने इस तकनीक को सब जगह इस्तेमाल करने योग्य बनाया। 1975 से 1986 के बीच उन्होंने चित्र तैयार करने की ऐसी तरकीब विकसित की जिसमें इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप के त्रिआयामी चित्रों का विश्लेषण कर उन्हें एक तीक्ष्ण त्रिआयामी संरचना में ढाल दिया जाता है।

■ जैक्स डुबोशेट ने इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में पानी को जोड़ दिया। तरल पानी इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप से वाष्पित हो जाता है जिससे बायोमॉलिक्यूल टूट जाते हैं।

■ 1980 के दशक के शुरुआती वर्षों में डुबोशेट ने पानी को कांच जैसा बना देने में सफलता पाई। वे पानी को इतनी तेजी से ठंडा कर देते थे जिससे यह जैविक पदार्थ के चारों ओर तरल से ठोस में बदल जाता था।

■ इस वजह से बायो मॉलिक्यूल निर्वात में भी अपने प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रख पाता है।

■ इन शोधों के आधार पर पुर्जे तैयार किए गए और अंततः आखिरकार 2013 में वह एटोमिक रिजॉल्यूशन तैयार हुआ और रिसर्च अब नियमित रूप से बायो मॉलिक्यूल की त्रिआयामी संरचना बना पाते हैं।

■ भारत के जीव वैज्ञानिक वेंकट रामाकृष्णन को

सामयिक आलेख

वर्ष 2009 में राइबोसोम के स्ट्रक्चर और कार्यप्रणाली के क्षेत्र में शोध के लिए रसायन का नोबेल पुरस्कार दिया गया था।

भौतिकी का नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम में नोबेल पुरस्कार देने वाली समिति ने 3 अक्टूबर, 2017 को वर्ष 2017 के लिए नोबेल पुरस्कार की घोषणा की। इस वर्ष अमेरिकी खगोलविज्ञानियों बैरी बैरिश, किप थोर्न और रेनर वेस को गुरुत्व तरंगों की खोज के लिए भौतिक विज्ञान का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

■ थोर्न और वेस ने प्रतिष्ठित कैलिफोर्निया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी में संयुक्त रूप से लेजर इंटरफियरोमीटर ग्रेविटेशनल-वेव ऑब्जर्वेटरी (लीगो) बनाया था। इसके बाद बैरिश ने परियोजना को अंतिम रूप प्रदान किया।

■ इन वैज्ञानिकों ने यह काम आइंस्टाइन का सिद्धांत आने के ठीक 100 साल बाद यानी 2015 में किया। उन्होंने दो ब्लैक होल के टकराव को सीधे



बैरी बैरिश, किप थोर्न और रेनर वेस
अमेरिकी खगोलविज्ञानी

तौर पर तब देखा जब इस घटना के 1.3 अरब वर्ष पूरे हुए थे और यही वो समय है जब तरंगों को पृथ्वी तक पहुंचने में लगता है।

■ गुरुत्वीय तरंगे ब्लैक होल्स के टकराव को पता लगाने का सबसे सटीक तरीका हैं क्योंकि ब्लैक होल्स को देखा नहीं जा सकता। इस प्रक्रिया का जन्म ब्लैक होल के टकराने या तारों के केंद्र के विखंडन से होता है।

■ इन तरंगों के हल्के हल्के संकेत 2015 में दिखे थे लेकिन अंतिम रिपोर्ट फरवरी 2016 में तैयार हुई।

■ अलबर्ट आइंस्टीन ने करीब एक सदी पहले अपनी सापेक्षता के सामान्य सिद्धांत के तहत गुरुत्व तरंगों का अनुमान लगाया था।

■ पुरस्कार में 90 लाख स्वीडिश क्रोनर यानी करीब 11 लाख डॉलर (करीब 7.20 करोड़ रुपये) की राशि प्रदान की जाएगी।

■ पुरस्कार की आधी रकम जर्मनी में पैदा हुए

वाइस को मिलेगी जबकि आधा इनाम थोर्न और बैरिश में बांटा जाएगा।

■ इस संस्थान को 1901 में नोबेल पुरस्कारों की शुरुआत के बाद से 18 बार यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुका है।

■ भारत के भौतिकी वैज्ञानिक सीवी रमण को 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार दिया गया। उन्होंने प्रकाश से जुड़े जिन प्रभावों की खोज की थी उन्हें रमन प्रभाव के नाम से जाना जाता है।

■ वर्ष 1983 में भौतिकी के क्षेत्र में का नोबेल पुरस्कार डॉ. सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर को डॉ. विलियम फाऊलर के साथ संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार

अमेरिका के तीन वैज्ञानिकों जैफ्री सी हाल, माइकल रोसबाश तथा माइकल डब्ल्यू यंग को इस साल के चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया है। नोबेल समिति की ओर से इसकी घोषणा 2 अक्टूबर, 2017 को की गई।

■ इन्हें मानव शरीर की “आंतरिक जैविक घड़ी” विषय पर किए गए उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

■ ‘आंतरिक जैविक घड़ी’ को सर्कैडियन रिदम के नाम से जाना जाता है।

■ उनकी खोजों में इस बात की व्याख्या की गई है कि पौधे, जानवर और इंसान किस प्रकार अपनी आंतरिक जैविक घड़ी के अनुरूप खुद को ढालते हैं ताकि वे धरती की परिक्रमा के अनुसार अपने को ढाल सकें। यह आंतरिक जैविक घड़ी हारमोन के



जैफ्री सी हाल, माइकल रोसबाश तथा
माइकल डब्ल्यू यंग

स्तर, नींद, शरीर के तापमान और उपापचय जैसे जैविक कार्यों को प्रभावित करती है।

■ तीनों वैज्ञानिकों ने उस जीन को अलग करने का काम किया जो रोजमर्रा की जैविक स्थिति को नियंत्रित करते हैं। ये जीन उस प्रोटीन को परिवर्तित करने का काम करते हैं जो रात के समय

कोशिका में जम जाती हैं और फिर दिन के समय बहुत ही छोटा आकार ले लेती हैं। ये तीनों वैज्ञानिक करीब 11 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि साझा करेंगे।

■ भारतीय मूल के अमेरिकी वैज्ञानिक हरगोविंद खुराना को 1968 में चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार मिला था। खुराना का शोध इस विषय पर था कि एंटी बायोटिक खाने का शरीर पर किस तरह का व्यापक असर होता है।

‘आंतरिक जैविक घड़ी’ या सर्कैडियन रिदम के बारे में

सर्कैडियन क्लॉक के मुताबिक प्रातः 6 बजे या सूर्योदय के आसपास शरीर में ‘कोर्टिसोल हॉर्मोन’ का स्त्राव होता है। यह शरीर में अधिक से अधिक ग्लूकोज छोड़ता है, ताकि व्यक्ति बिस्तर छोड़कर अपनी दैनिक चर्या शुरू कर सके।

■ प्रातः 6 बजे से 9 बजे तक व्यक्ति रक्तचाप पूरे दिन में सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ता है। तब यह घड़ी शरीर को बाहरी दबाव के अनुरूप ढालती है।

■ सुबह 9 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे के बीच शरीर अधिक सर्तक होता है। तमाम गतिविधियों के बीच तालमेल के लिए सबसे उपयुक्त समय दिन में 12 से 3 बजे का होता है।

■ व्यक्ति सबसे तेज प्रतिक्रिया दिन में 3 बजे से शाम 6 बजे के बीच जताता है। सूरज ढलते वक्त हमारे शरीर का तापमान सबसे ज्यादा होता है।

■ फिर शाम छह बजे से लेकर 9 बजे रात तक रक्तचाप सबसे अधिक दर्ज किया जाता है। यही वह समय है, जब व्यक्ति को आराम करने आवश्यकता सबसे ज्यादा महसूस होती है।

■ रात्रि नौ बजे के लगभग व्यक्ति के शरीर में मेलाटोनिन नाम का हॉर्मोन स्त्रावित होता है, जिसका कार्य सोने के लिए शरीर को तैयार करने का होता है। मध्यरात्रि 12 से 3 का समय सबसे गहरी नींद के लिए सुरक्षित होता है, अतः यह समय मानव जीवन का सबसे कीमती चीज होता है।

■ रात में तीन बजे से लेकर सुबह छह बजे तक के समय में हमारे शरीर का तापमान सबसे कम होता है। यानी नींद पूरी कर लेने के बाद शरीर इस समय ‘सुखनिदिया’ में होता है। यह समय शरीर और मन पर कोई तनावपूर्ण जिम्मेदारी डालने का नहीं होता है। सूरज के प्रकाश के जरिए बनने वाला सुबह, दोपहर, शाम और रात का चक्र ही इस घड़ी को चाभी भरता है।

■ इस खोज की बदौलत आने वाले दिनों में शल्य चिकित्सक यह तय कर सकते हैं कि कौन सा ऑपरेशन किस समय करना ठीक रहेगा, और जो दवाएं आप लेते हैं, उनका सबसे अच्छा असर ठीक-ठीक किस वक्त लेने पर दिखाई पड़ेगा।



14वीं भारत यूरोपीय संघ शिखर बैठक

14वीं भारत-यूरोपीय संघ शिखर वार्ता (India-EU annual Summit) नई दिल्ली में 6 अक्टूबर, 2017 को आयोजित की गई। 2000-17 के दौरान भारत ने लगभग 83 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह हासिल किया...

14वीं भारत-यूरोपीय संघ शिखर वार्ता (India-EU annual Summit) नई दिल्ली में 6 अक्टूबर, 2017 को आयोजित की गई। इस अवसर पर यूरोपीय संघ का प्रतिनिधित्व यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष डोनाल्ड टस्क और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष जीन क्लोड जंकर ने किया। भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया।

■ यूरोपीय संघ वस्तुओं के द्विपक्षीय व्यापार में भारत का सबसे बड़ा क्षेत्रीय व्यापारिक साझेदार है।

■ 2016 में दोनों के बीच 88 बिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ। यूरोपीय संघ भारतीय निर्यात का सबसे बड़ा गंतव्य और निवेश तथा आधुनिकतम प्रौद्योगिकी का प्रमुख स्रोत भी है।

■ 2000-17 के दौरान भारत ने लगभग 83 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह हासिल किया, जो इस अवधि के दौरान पूरे देश के कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का लगभग 24% था।

■ 14वें भारत ई. यू. शिखर सम्मेलन से दोनों पक्षों के दरम्यान सामान, सेवाओं और निवेश की सुरक्षा के लिए 'मुक्त व्यापार समझौते' की गुंजाइश बढ़ी है।

■ इस बारे में संयुक्त कार्य समूह की मार्फत व्यावहारिक निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है, ताकि

द्विपक्षीय व्यापार और निवेश की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

■ यूरोपीय प्रतिनिधियों ने भारत द्वारा प्रस्तुत निवेश सुविधा व्यवस्था की तारीफ की। इसके माध्यम से भारत में यूरोपीय निवेश बैंक की स्थापना में मदद मिलेगी।

■ हालिया सम्मेलन के दौरान भारत और यूरोप के बीच शोध तथा नवाचार, शोध सुविधाओं के विस्तार और शोध सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

■ इसी के साथ 2016 में पारित एजेंडा फॉर एक्शन 2020 के कार्यान्वयन और आतंकवाद के निवारण पर सहयोग बढ़ाने के लिए भारतीय पुलिस बलों और यूरोपोल के बीच बेहतर समन्वय पर चर्चा की गई।

■ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर; भारत और यूरोपीय संघ ने समूह-बीस की मार्फत व्यापार-साझेदारी और सतत तथा संधारणीय विकास सुनिश्चित करने के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने पर बल दिया।

■ दोनों पक्ष पेरिस समझौते और संधारणीय विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एकमत हैं।

■ इस संदर्भ में प्रव्रजन, शरणार्थी और रोहिंग्या जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

■ दोनों पक्षों ने अपने आसपास सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा की और साथ ही उत्तर कोरिया, उक्रेन, अफगानिस्तान, हिंद महासागर और अफ्रीकी

महाद्वीप के हालातों का भी विश्लेषण किया।

■ शिखर सम्मेलन में महसूस किया गया कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच आपसी हितों की पूर्ति के लिए सहयोग और सामंजस्य की काफी गुंजाइश है।

■ फिलहाल इन संभावनाओं के कार्यान्वयन के लिए काफी कुछ किया जाना बाकी है। विदेशी निवेश का आकर्षक गन्तव्य होने के नाते; यूरोपीय मुल्कों के लिए भारत में व्यापार बढ़ाने के अनगिनत मौके मौजूद हैं।

■ जरूरत इस बात की है कि दोनों पक्ष गंभीर और सतत बातचीत के जरिये आपसी सहयोग को बढ़ाएं ताकि भारत और यूरोपीय संघ के बीच मजबूत, स्थायी और परस्पर पूरक सहभागिता कायम रह सके।

■ सम्मेलन के शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय संघ के अध्यक्ष डोनाल्ड फ्रैंसिसजेक टस्क और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष जीन क्लॉड जंकर से मुलाकात की।

■ माना जा रहा है कि भारत-यूरोपीय संघ दोनों ही इस सम्मेलन में लंबे समय से विचाराधीन मुक्त व्यापार समझौते की बाधाएं दूर करने के उपायों समेत अनेक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। बता दें कि द्विपक्षीय व्यापार के मामले में यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा क्षेत्रीय साझेदार है और 2016 में दोनों के बीच 88 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ था।

■ यूरोपीय आयोग की उपाध्यक्ष फेडेरिका मोघेरिनी और सुरक्षा नीति से जुड़े आयोग के प्रतिनिधि भी इसमें शामिल रहे। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य भारत-यूरोपीय संघ की रणनीतिक साझेदारी को और आगे ले जाना है।